कुंडली मिलान

नमूना वर & नमूना वधू

19 / 36 गुण

SAMPLE

जन्म विवरण

वर

नाम	**नमूना वर**
जन्म तिथि	**18/06/1995**
समय	**07:45:00**
स्थान	**Pune, Maharashtra, India**
लग्न	**मिथुन**
राशि	**कुंभ**
नक्षत्र	**शतभिषा (2)**
वर्ण	**शूद्र**
वश्य	**मानव**
योनि	**अश्व**
गण	**राक्षस**
नाड़ी	**आदि**

कन्या

नाम	**नमूना वधू**
जन्म तिथि	**09/02/1997**
समय	**18:20:00**
स्थान	**Nashik, Maharashtra, India**
लग्न	**कर्क**
राशि	**कुंभ**
नक्षत्र	**पूर्वा भाद्रपद (2)**
वर्ण	**शूद्र**
वश्य	**मानव**
योनि	**सिंह**
गण	**मनुष्य**
नाड़ी	**आदि**

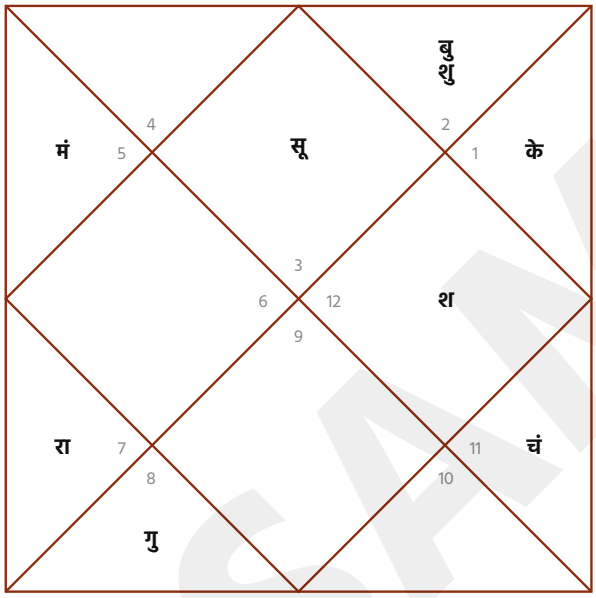

नमूना वर

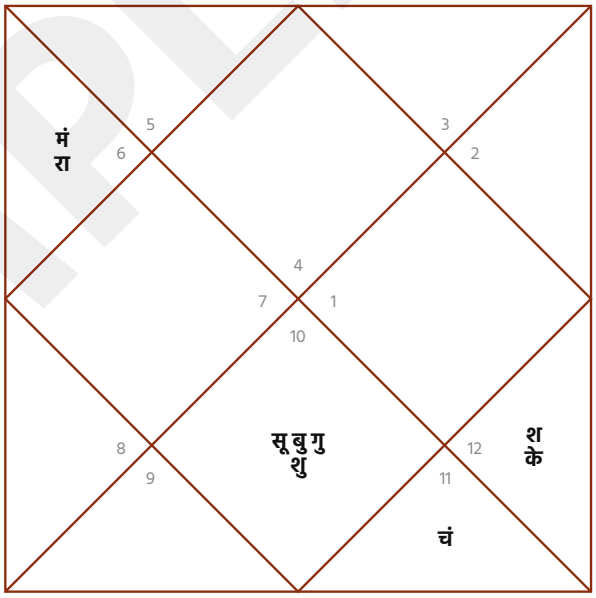

नमूना वधू

SAMPLE

नवांश (D9) कुंडलियाँ

विवाह के लिए नवांश मुख्य वर्ग कुंडली है। वैवाहिक जीवन की गुणवत्ता के लिए इसका लग्न तथा इसमें शुक्र और सप्तमेश की स्थिति देखी जाती है।

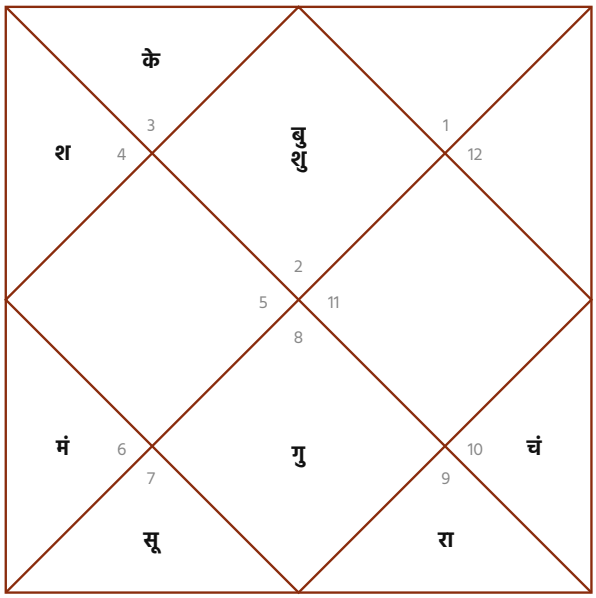

नमूना वर — D9

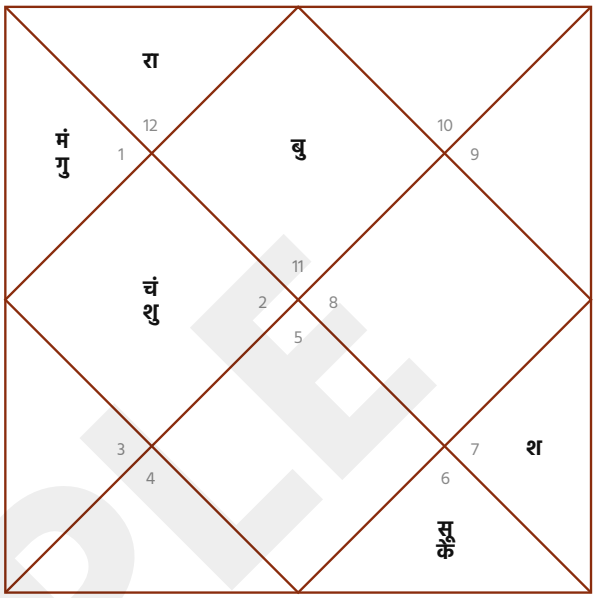

नमूना वधू — D9

लग्न का मेल

नमूना वर: मिथुन लग्न (वायु)। नमूना वधू: कर्क लग्न (जल)। दोनों लग्नों के तत्व शैली में अलग हैं; एक-दूसरे के तरीके की सराहना करने से यह अंतर शक्ति बन जाता है।

SAMPLE

अष्टकूट गुण मिलान

अष्टकूट गुण मिलान में वर और कन्या की चंद्र राशियों और जन्म नक्षत्रों की आठ क्षेत्रों (कूटों) में तुलना की जाती है। हर क्षेत्र के निश्चित अंक होते हैं, जिनका योग 36 है। परंपरा से 18 या अधिक अंक स्वीकार्य, 24 या अधिक अच्छे और 28 या अधिक बहुत अच्छे माने जाते हैं। अंक मिलान का केवल एक भाग हैं: दोनों कुंडलियों का बल, मंगल दोष, सातवाँ भाव और चल रही दशाएँ भी महत्वपूर्ण हैं।

कूट	वर	कन्या	अधिकतम	प्राप्त
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	**1**
वश्य	मानव	मानव	2	**2**
तारा	शतभिषा	पूर्वा भाद्रपद	3	**3**
योनि	अश्व	सिंह	4	**1**
ग्रह मैत्री	शनि	शनि	5	**5**
गण	राक्षस	मनुष्य	6	**0**
भकूट	कुंभ	कुंभ	7	**7**
नाड़ी	आदि	आदि	8	**0**
योग			**36**	**19**

स्वीकार्य: अंक पारंपरिक न्यूनतम को पूरा करते हैं। यह मिलान सफल हो सकता है, विशेषकर यदि कम अंकों वाले क्षेत्रों को समझकर सावधानी से संभाला जाए।

SAMPLE

आठ कूटों का विवरण

वर्ण — 1 में से 1

वर: शूद्र · कन्या: शूद्र

वर्ण चंद्र राशि के आधार पर दोनों व्यक्तियों के आध्यात्मिक और कार्य-स्वभाव की तुलना करता है। यह दिखाता है कि काम और कर्तव्य के प्रति दोनों का दृष्टिकोण कितना मेल खाता है।

स्वभाव अच्छी तरह मेल खाते हैं, और दोनों एक-दूसरे के काम करने के ढंग का सम्मान करेंगे, ऐसी संभावना है।

वश्य — 2 में से 2

वर: मानव · कन्या: मानव

वश्य परस्पर आकर्षण और प्रभाव को देखता है — हर साथी दूसरे के प्रति कितनी सहजता से प्रतिक्रिया करता है।

स्वाभाविक आकर्षण और परस्पर प्रभाव मज़बूत है।

तारा — 3 में से 3

वर: शतभिषा · कन्या: पूर्वा भाद्रपद

तारा में एक साथी के नक्षत्र से दूसरे के नक्षत्र तक गिनकर परस्पर कल्याण, स्वास्थ्य और भाग्य का विचार किया जाता है।

दोनों के जन्म नक्षत्र एक-दूसरे के कल्याण और भाग्य को सहारा देते हैं।

योनि — 4 में से 1

वर: अश्व · कन्या: सिंह

योनि में हर जन्म नक्षत्र से जुड़े स्वभाव (जिसे पशु-प्रतीकों से दिखाया जाता है) की तुलना करके शारीरिक और सहज अनुकूलता देखी जाती है।

अनुकूलता ठीक-ठाक है; एक-दूसरे की आदतों को समझना सहायक है।

ग्रह मैत्री — 5 में से 5

वर: शनि · कन्या: शनि

ग्रह मैत्री दोनों चंद्र राशियों के स्वामियों की तुलना करती है। यह मानसिक अनुकूलता, मित्रता और निर्णयों पर सहमति की सहजता दिखाती है।

राशि स्वामी मित्र हैं, इसलिए दोनों एक जैसा सोच सकते हैं और अच्छे मित्र बन सकते हैं।

गण — 6 में से 0

वर: राक्षस · कन्या: मनुष्य

गण दोनों जन्म नक्षत्रों के मूल स्वभाव — देव (सौम्य), मनुष्य (मानवीय, संतुलित) या राक्षस (तीव्र, दृढ़) — की तुलना करता है।

स्वभावों में काफ़ी अंतर है; इसे गण दोष कहते हैं। परस्पर सम्मान और कठोर शब्दों से बचना महत्वपूर्ण है।

भकूट — 7 में से 7

वर: कुंभ · कन्या: कुंभ

भकूट दोनों चंद्र राशियों की एक-दूसरे से स्थिति की तुलना करता है। इसका संबंध पारिवारिक कल्याण, समृद्धि और दंपती के दीर्घकालिक सुख से है।

चंद्र राशियाँ एक-दूसरे से अच्छी स्थिति में हैं, जो समृद्धि और पारिवारिक कल्याण को सहारा देती हैं।

SAMPLE

नाड़ी — 8 में से 0

वर: आदि · कन्या: आदि

नाड़ी दोनों जन्म नक्षत्रों की प्रकृति (आदि, मध्य या अंत्य) की तुलना करती है। इसके अंक सबसे अधिक हैं और इसका संबंध स्वास्थ्य और संतान से है।

दोनों की नाड़ी एक ही है। यह नाड़ी दोष है, जो परंपरा में कूट दोषों में सबसे गंभीर माना जाता है; इस रिपोर्ट में इसे कड़ाई से लागू किया गया है। परंपरा से महामृत्युंजय जाप और दान जैसे उपाय सुझाए जाते हैं, और कुंडलियों के विस्तृत अध्ययन की सलाह है।

SAMPLE

मंगल दोष

	लग्न से मंगल	चंद्रमा से	शुक्र से
वर	भाव 3	भाव 7 — **दोष**	भाव 4 — **दोष**
कन्या	भाव 3	भाव 8 — **दोष**	भाव 9

किसी भी कुंडली में लग्न से मंगल दोष नहीं है। यहाँ मंगल विवाह से जुड़ी कोई चिंता नहीं बनाता।

SAMPLE

नमूना वर का स्वभाव

मिथुन लग्न

मिथुन वायु तत्व की द्विस्वभाव राशि है, जिसका स्वामी बुध है। आप जिज्ञासु, हाज़िरजवाब और बातूनी हैं, और नई चीज़ें आसानी से सीखते हैं। आपको पढ़ना, यात्रा, बातचीत और विविधता पसंद है, और आप प्रायः किसी प्रश्न के दोनों पहलू देख पाते हैं। इसका दूसरा पहलू बेचैनी है: एक साथ बहुत सी रुचियाँ आपकी ऊर्जा बिखेर सकती हैं, और आप आसपास के लोगों की अपेक्षा से अधिक बार अपना मन बदल सकते हैं।

संबंध

आप ऐसा साथी चाहते हैं जो ऐसा मित्र भी हो जिससे आप बात कर सकें। सातवाँ भाव धनु है, जिसका स्वामी गुरु है, जो प्रायः सिद्धांतवादी, पढ़ा-लिखा या धार्मिक सोच वाला साथी देता है। एक-दूसरे की स्वतंत्रता का सम्मान करना, और ज़रूरत के समय साथी को पूरा ध्यान देना, संबंध को मज़बूत रखता है।

जन्म नक्षत्र: शतभिषा

शतभिषा स्वतंत्रता, वैज्ञानिक सोच और उपचार की क्षमता देता है। आप संकोची, सत्यवादी और रहस्यों में रुचि रखने वाले हैं। चिकित्सा, शोध, ज्योतिष, तकनीक और उपचार आपके अनुकूल हैं। एकांत आपको ताज़गी देता है, पर स्वयं को अलग-थलग करने से बचें।

सातवाँ भाव (विवाह)

राशि: धनु · स्वामी: गुरु, भाव 6 में · ग्रह: कोई नहीं

छठे भाव में सातवें भाव का स्वामी विवाह, साझेदारी और कानूनी मामलों में धैर्य और सावधानी माँगता है।

शुक्र (प्रेम और विवाह)

बारहवें भाव में शुक्र को परंपरा से सुख-सुविधा, शय्या-सुख और विलास, यात्रा तथा कलाओं पर खर्च के लिए अच्छा माना जाता है। यह करुणा और आध्यात्मिक आनंद में रुचि भी देता है। शास्त्र बारहवें भाव को ऐसा भाव मानते हैं जहाँ शुक्र असामान्य रूप से अच्छा करता है। खर्च पर नियंत्रण रखें और छिपे भोग-विलास से बचें।

चल रही दशा

शनि महादशा, शनि अंतर्दशा (31/08/2027 तक)। शनि की दशा धैर्य, कड़ी मेहनत और ज़िम्मेदारी माँगती है। परिणाम धीरे आते हैं पर टिकाऊ होते हैं। यह अनुशासन बनाने, दूसरों की सेवा करने, जोड़ों का ध्यान रखने और शॉर्टकट से बचने का समय है।

SAMPLE

नमूना वधू का स्वभाव

कर्क लग्न

कर्क जल तत्व की चर राशि है, जिसका स्वामी चंद्रमा है। आप संवेदनशील, देखभाल करने वाले और कल्पनाशील हैं, और घर, माता और परिवार से गहरा लगाव रखते हैं। आपका मन चंद्रमा की कलाओं की तरह बदल सकता है, पर जिनसे आप प्रेम करते हैं उनके प्रति आपकी निष्ठा नहीं बदलती। आप दया और चोट दोनों को लंबे समय तक याद रखते हैं, और जब घरेलू जीवन स्थिर हो तब सबसे सुरक्षित महसूस करते हैं।

संबंध

आप अपने परिवार के प्रति गहराई से समर्पित हैं और आपको भावनात्मक निकटता चाहिए। आपका सातवाँ भाव मकर है, जिसका स्वामी शनि है, जो प्रायः गंभीर, परिपक्व या मेहनती साथी देता है, कभी उम्र के अंतर या विवाह में देरी के साथ। चुपचाप दुखी रहने के बजाय धैर्य और साफ़ शब्द वैवाहिक जीवन को सहज रखते हैं।

जन्म नक्षत्र: पूर्वा भाद्रपद

पूर्वा भाद्रपद तीव्रता, आदर्शवाद और गहरे आध्यात्मिक परिवर्तन की क्षमता देता है। आप किसी उद्देश्य के प्रति उत्साही और दूसरों के प्रति उदार हो सकते हैं। शोध, आध्यात्मिकता, समाज-सेवा और वित्त आपके अनुकूल हैं। अपनी तीव्रता को शांति से संतुलित करें।

सातवाँ भाव (विवाह)

राशि: मकर · स्वामी: शनि, भाव 9 में · ग्रह: सूर्य, बुध, गुरु, शुक्र

नौवें भाव में सातवें भाव का स्वामी विवाह के लिए भाग्यशाली है। जीवनसाथी धार्मिक या अच्छे परिवार से हो सकता है, और विवाह के बाद भाग्य बढ़ सकता है।

शुक्र (प्रेम और विवाह)

सातवें भाव में शुक्र विवाह और साझेदारी के लिए स्वाभाविक है। यह आकर्षक, स्नेही साथी और दूसरों के साथ व्यवसाय में सफलता देता है। शास्त्र इस स्थिति को वैवाहिक सुख से जोड़ते हैं, हालाँकि इच्छाओं की अधिकता कमज़ोरी बन सकती है। वफ़ादारी और सराहना वैवाहिक जीवन को सुखी रखती है।

चल रही दशा

शनि महादशा, गुरु अंतर्दशा (17/04/2027 तक)। शनि की दशा धैर्य, कड़ी मेहनत और ज़िम्मेदारी माँगती है। परिणाम धीरे आते हैं पर टिकाऊ होते हैं। यह अनुशासन बनाने, दूसरों की सेवा करने, जोड़ों का ध्यान रखने और शॉर्टकट से बचने का समय है।

SAMPLE

उपाय और मार्गदर्शन

- नाड़ी दोष के लिए परंपरा में महामृत्युंजय मंत्र जाप, सामर्थ्य के अनुसार अन्न और स्वर्ण का दान, और विवाह से पहले भगवान शिव की पूजा की सलाह दी जाती है।
- गण के अंतर के लिए धैर्य, मधुर वाणी और साथ मिलकर पूजा की सलाह है।
- समग्र सामंजस्य के लिए दंपती साथ में मंदिर जा सकते हैं, किसी शुभ दिन संयुक्त पूजा कर सकते हैं, और महत्वपूर्ण निर्णयों पर साथ बैठकर चर्चा करने की आदत रख सकते हैं।

ये पारंपरिक भक्ति-उपाय हैं। इन्हें सांस्कृतिक मार्गदर्शन के रूप में दिया गया है; ये विवेक और आपसी समझ का स्थान नहीं लेते।

SAMPLE

निष्कर्ष

अंक: 19 / 36 — स्वीकार्य। अंक पारंपरिक न्यूनतम को पूरा करते हैं। यह मिलान सफल हो सकता है, विशेषकर यदि कम अंकों वाले क्षेत्रों को समझकर सावधानी से संभाला जाए।

मिलान अनुकूलता का एक पारंपरिक माप है, सफलता या असफलता की गारंटी नहीं। परस्पर सम्मान, ईमानदार बातचीत, साझा मूल्य और मतभेदों को सुलझाने की तत्परता ही विवाह को सुखी बनाते हैं।

आधार: रामदैवज्ञ का मुहूर्त चिंतामणि — विवाह मिलान (अष्टकूट); बृहत् पाराशर होरा शास्त्र (महर्षि पराशर रचित माना जाता है) — सातवाँ भाव और विवाह; वैद्यनाथ दीक्षित का जातक पारिजात (लगभग 15वीं शताब्दी) — कुंडलियों का मिलान।

इस रिपोर्ट की गणना सही करने में पूरी सावधानी बरती गई है। ज्योतिष व्याख्या की एक पारंपरिक पद्धति है, और यहाँ दी गई गणनाएँ तथा फलादेश बिना किसी भी प्रकार की गारंटी या वारंटी के, चाहे व्यक्त हो या निहित, दिए गए हैं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले अपने विवेक का उपयोग करें।

SAMPLE